707

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: AJAY KUMAR		**Subject/Code:**	
UPSC Roll No: 0835847		**Date:**	25/08/2024
Drishti Id:		**E-mail Id:**	
Centre: M.N. 707		**Medium:**	Hindi

Test Code: Essay-08

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only			
Time Taken	Start Time: End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐ Offline ☐		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचयः** विषय और संलग्रता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तुः** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठनः** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकताः** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्तिः** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्षः** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकताः** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुलः Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षाः**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए **क्रमबद्ध** करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

लोगों को उनके मानवाधिकारों से वंचित करना मानवता को चुनौती देना है।

जो जीवन मानवता के कल्याण के काम न आए वो जीवन बेकार होता है।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

सामाजिक सुधारों के प्रणेता ईश्वर चंद्र जी ने अपने कथन से मानव जीवन के सार को समझाने की कोशिश की है। अगर मानव जीवन लोगों के भलाई में काम आए, तो वही जीने लायक जीवन होता है परंतु कई बार ऐसी घटनाएं

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

घटित होती हैं जिनसे मानवता को खतरा पैदा होता हैं। ऐसी स्थिति में लोगों के मानवाधिकारों पर संकट उत्पन्न हो जाता हैं। कुछ लोगों के गलत कृत्य अन्यों के लिए जुल्म का कार्य करते हैं। परंतु बड़ी बात यह हैं कि ये मानवाधिकारों का हनन केवल पीड़ित व्यक्ति को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि समय के साथ पूरी मानवता पर भी प्रभाव डालना शुरु कर देता हैं।

विषय को गहराई से समझने के लिए सर्वप्रथम यह समझना जरूरी हैं कि मानवाधिकार क्या हैं? इन अधिकारों की अवधारणा का विकास कैसे हुआ? कैसे लोगों ने इन अधिकारों को हासिल किया व पूरी धरती को रहने लायक बनाया। वैश्विक इतिहास में देखें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भी 1500 ई० से पहले पूरे यूरोप में सामंतवादी प्रणाली का प्रसार था। ऊपर के लॉर्ड व मेनर जीवन जीते थे जबकि बाकी लोग कष्टों का सामना करते थे। परंतु धीरे-धीरे मार्टिन लूथर किंग जैसे लोग हुए जिन्होंने लोगों में चेतना जागृति का काम किया व उनके अंदर मानवतावाद व्यक्तिवाद जैसे विचारों को रखा वहीं रूसो जैसे दार्शनिक ने कहा। "इंसान स्वतंत्र पैदा होता है परंतु हर जगह वह बेड़ियों में जकड़ा हुआ।"

इन्हीं दार्शनिकों की अवधारणाओं से मानवाधिकार जैसे कि जीवन जीने का अधिकार, स्वतंत्रता, सामाजिक व आर्थिक न्याय जैसे विचारों का जन्म हुआ। धीरे-धीरे ये चेतना पूरे यूरोप में प्रसारित हुई और लोगों के जीवन में खुलापन आया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परंतु ये तो एक शुरुआत थी, मानवाधिकारों की जागृति के बाद इन्ही देशों ने उनके हनन का कार्य किया। जब उपनिवेशों का प्रसार हुआ तो सत्ता वर्ग द्वारा देशी लोगों को परतंत्र बना कर उन्हें पशु जैसा जीवन जीने को मजबूर किया गया।

लेकिन पश्चिमी शिक्षा के प्रसार व दार्शनिकों के विचारों के कारण यह चेतना उपनिवेशों तक भी पहुंचने लगी व वहां भी आजादी का बिगुल बजा। भारत में भी स्वामी विवेकानंद, दादा भाई नैरोजी ने इस मानवता अधिकारों की बात की। इन संघर्षों के कारण अधिकारों की अवधारणा धीरे-धीरे परिष्कृत हुई व एक खाका बन गया कि एक लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण करना है जो निरंकुश नौकरशाही के बजाय लोकतांत्रिक मूल्यों पर टिका हो,

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

यहीं सब हमें अपने संविधान की प्रस्तावना में मिलता है।

धीरे-धीरे पूरे विश्व स्तर पर मानवाधिकारों के नियम बनाने की मांग उठी क्योंकि युद्धों के कारण पूरी मानवजाति को खतरा पैदा हो गया था। हमारे लिए गर्व की बात है कि 1948 में संयुक्त राष्ट्र में भारत के सहयोग से मानवाधिकारों की घोषणा पेश की गई व एक पूरी संहिता तैयार हो गई।

विश्व में आगे बढ़ते हुए अब यह समझने की मानवाधिकारों की जरूरत क्या है? क्या डार्विन की थ्योरी उत्तरजीविता का सिद्धांत सही नहीं है। मानवाधिकारों का हनन किस प्रकार पूरे समाज के लिए खतरा बनता है। यहां पर हमें गोरों के खिलाफ अश्वेतों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले मार्टिन लूथर किंग ने कहा था, "कहीं पर भी होने वाला अन्याय सभी जगहों की सभ्यता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के लिए खतरा है। मानवाधिकारों का हनन भारत में सर्वप्रथम हनन उत्तर वैदिक काल में शुरू हुआ जब एक वर्ग विशेष को अंतिम पायदान पर खड़ा कर के शूद्र की संज्ञा दे दी गई, साथ में महिलाओं की भी ऐसी ही स्थिति बना दी गई। ऐसा करने का परिणाम पूरे भारतवर्ष पर पड़ा, विश्वगुरु का दावा करने वाले इस राष्ट्र को निरंतर पतन व परतंत्रता का सामना करना पड़ा।

इसी पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने कहा था, "हमने समाज में लोगों के अधिकारों को छीन कर बाँट कर रख दिया। क्षत्रिय है लड़ेगा, शूद्र केवल सेवा करेगा, हमने लोगों को हथियार नहीं उठाने दिए और लुटेरे हम लूटते चले गए।" इस प्रकार अन्याय पूरी सभ्यता के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

विषय में आगे बढ़ते हुए हम कुछ ऐसे उदाहरण भी देखने चाहिए जिन जहां लोगों ने मानवता की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया। जहां सर्वप्रथम महात्मा गांधी जी का उल्लेख करना चाहिए, जिन्होंने अपने सुखपूर्ण जीवन का त्याग कर के लोगों के सम्मान व स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ते हुए संदेश दिया, "हमें मानवता में कभी भी विश्वास कम करना चाहिए क्योंकि संसार को सही दिशा दिखाने वाला यह प्रमुख तत्व है।"

आगे डा० भीमराव अंबेडकर जी जैसे लोगों ने जहां महिलाओं व दलित वर्गों को समाज की मुख्य धारा में लाने का कार्य किया, वहीं मदर टेरेसा जैसी शख्सियत ने बीमार, अकाल पीड़ित लोगों को अपने प्रेम व सेवा भाव से गुलजार करने के प्रयास किए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मानवताधिकारों के लिए योगदान देने वालों में कैलाश सत्यार्थी का नाम भी प्रमुख है। अपने "बचपन बचाओ आंदोलन" से हजारों बच्चों की जिंदगी सुधारने का कार्य किया। यहां हमें मानवाधिकारों की विस्तृत परिभाषा को देखने की आवश्यकता है। औद्योगिक क्रांति के दुष्परिणामों को ध्यान कर पर्यावरण के लिए आवाज उठाने वाले लोग भी मानवतावादी हैं जिनमें सुंदरलाल बहुगुणा, मेधा पाटकर, विनोबा भावे का नाम प्रमुख है।

हमें मानवता को वर्तमान परिदृश्य में देखने की भी आवश्यकता है। आजकल मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाएं सामने आती रहती हैं। वैश्विक स्तर पर देखें तो यूक्रेन व फीलीस्तीन युद्ध में हर रोज लोग मर रहे हैं। एक ओर गाजा में 40000 लोग मार चुके हैं, तो

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वहीं बांग्लादेश भी ऐसी ही हिंसा का शिकार है। भारत के स्तर पर मणिपुर की शर्मसार कर देने वाली घटनाएं वहीं हाल का कोलकाता चिकित्सक की हत्या का मामला मानवता पर धब्बे के रूप में कार्य कर रहे हैं। हरियाणा जैसे समृद्ध राज्य से हमें ऑनर किलिंग की घटनाएं तो वहीं पंजाब से ड्रग्स के नशे से परिवारों के हर दिन उजड़ने की खबरें आती रहती थी।

मानवाधिकार कोई एक बंधा हुआ नियमों का सेट नहीं हैं। इसमें सभी प्रकार के कृत्य शामिल हैं। पशुओं के प्रति क्रूर व्यवहार भी अधिकारों पर अतिक्रमण का मामला है। ऐसी स्थिति में प्रयास किए जाने जरूरी हैं। इंसान के अंदर नैतिकता मानकों का पतन, बढ़ता वैश्वीकरण व भौतिकतावाद हमें विपरीत दिशा में ले जा रहा है। बढ़ते डिजटलीकरण,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लगातार टूटते परिवार, परिवारों के मूल्यों का गिरना, स्क्रीन का बढ़ता एडीक्शन आदि चीजें हमें मानवता प्रयासों से दूर कर रहे हैं।

हमें आज हम समाज सुधार के इन नेताओं से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है जिन्होंने भारतवर्ष के निर्माण में योगदान दिया है। हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित राष्ट्र का स्वप्न केवल "चंद्रयान की उड़ान" या GDP के उछाल से पूरा नहीं होगा, इसके लिए "दिमाग की उड़ान" भी बहुत जरूरी है।

भारत के संविधान में दिए गए नीति निर्देशक तत्वों व मौलिक अधिकारों के द्वारा इन्हीं मानवता मूल्यों की स्थापना की बात की गई है। लेकिन लोगों में इन सुधारों को अंजाम तक पहुँचाने में कोताही बरती जाती है। ऐसी मानसिकता

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के लिए गोविंद व्यास जी का व्यंग्य कारगर साबित होगा "कि फुरसत तो मुझे भी बहुत थी देश के लिए लेकिन जब मेरा पेट भर गया तो मुझे नींद आ गई।"

एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें आगे बढ़ने की आवश्यकता है। इसका एक हालिया उदाहरण उत्तर प्रदेश सरकार के समुदाय विशेष द्वारा दुकाने पर नाम लिखने के आदेश के विरुद्ध विरोध में दिखा। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ ह्यूमन राइट्स नाम के एन. जी. ओ. ने अदालत में न्यायिका ने ऐसे फैसलों को देश की धर्मनिरपेक्षता के मूल्य पर हमला बताया व आदेश रद्द भी किया गया।

इसी प्रकार नागरिक समाज को लोगों के सामाजिक, आर्थिक, न्याय के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता है। क्योंकि मानवाधिकारों का पालन ही हमें सकारात्मक मानवता की ओर प्रेरित करेगा। इस समय

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब चारों ओर हिंसा, असहिष्णुता की लहर चल रही है। ऐसे समय पर लोगों को आगे आकर मानवता के लिए कार्य करने की आवश्यकता है ताकि हम स्वतंत्रता के आदर्शों की प्राप्ति के साथ साथ इस संसार की खुशहाली, लोगों का सुखी जीवन भी सुनिश्चित कर सकें।

तुम्हारे दिल की चुभन जरूर दूर होगी
किसी के पांव का कांटा निकाल कर तो देखो।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

Topic:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुधार के लिए परिवर्तन अपरिहार्य है
जबकि सुधार उत्कृष्टता के लिए सुधार की निरंतरता।

परिवर्तन प्रकृति का नियम समान
न कोई शाश्वत न महान
ब्रह्मांड में एकमात्र स्थिर वस्तु
वह है परिवर्तन जैसे जीवन मृत्यु

प्रस्तुत कविता में परिवर्तन के महत्त्व को बताया गया है। मानव जीवन हो, या किसी देश का विकास या प्रकृति का दैनिक चरित्र सभी का मूल भाव निरंतर परिवर्तन पर ही टिका है। समय की धारा के साथ बहना ही महानता के पथ पर अग्रसर होना है। परन्तु इस

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परिवर्तन के साथ निरंतर अतीत से सीखने की कला हमें उत्कृष्टता की ओर ले जाती है। जिस प्रकार कहा भी जाता है कि ठहरा हुआ पानी सड़ने लगता है परंतु उसी पानी के बहाव सुनिश्चित कर के हम उससे ना केवल सिंचाई बल्कि ऊर्जा जैसे लाभ भी लिए जा सकते हैं। इसलिए बहते हुए जल को शुद्ध माना जाता है उसी प्रकार मानव जीवन का भी निरंतर चलते रहना ही उसकी शुद्धता व प्रगति को निश्चित करता है। 1950 के दशक में आई श्री420 राजकपूर की मूवी की गीत से भी समझ सकते हैं-

चलना जीवन की ~~कि~~ कहानी
रुकना मौत की निशानी
सिर पर लाल टोपी रूसी
फिर भी दिल है हिंदुस्तानी।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विषय को गहराई से समझने के लिए हम भारत के गौरवशाली इतिहास को भी देख सकते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में निरंतर परिवर्तन का दौर चला। पुरापाषाण काल के साथ विकसित हुए ग्रामीण संस्कृति से आगे हड़प्पा जैसी शहरी संस्कृति बनी जो कई मायनों में श्रेष्ठ थी, परंतु परिवर्तन हर क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए अपरिहार्य है। इसलिए हड़प्पा सभ्यता का पतन हुआ तो आर्य संस्कृति के आगमन से नए तत्व आए।

इसी कड़ी में मौर्य काल में अनेक विदेशी व जनजातीय तत्वों का भारतीय संस्कृति में आगमन हुआ, आगे मध्यकाल में इस्लामिक तो वहीं आधुनिक काल में ब्रिटिश तत्वों के मिलन ने नए परिवर्तनों की शुरुआत की। इस प्रकार हमारी आज की प्रबोधनपूर्ण अनेक सांस्कृतिक तत्वों वाली विविधतापूर्ण संस्कृति का विकास हुआ ~~जिसमें~~ जो अब भी निरंतर उत्कृष्टता की ओर है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अगर आम जीवन में ऐसा ही उदाहरण देखें तो हरियाणा पानीपत जिले में खंडेरा गांव का 15 वर्षीय लड़का 70 kg. वजन का होता है। वह जीवनशैली में परिवर्तन का प्रयास करता है, परंतु धीरे-धीरे अपने सुधार को आगे बढ़ाते हुए जेवलिन थ्रो जैसे गेम को अपना लेता है और ओलंपिक चैंपियन बनकर उत्कृष्टता को प्राप्त करता है।

एक ऐसा ही सुंदर उदाहरण नायका ब्रांड शुरू करने वाली फाल्गुनी नायर का भी है। 48 वर्ष की उम्र में ग्रेड A नौकरी को छोड़कर वह स्वयं के स्टार्टअप का फैसला करती है। लोग उनके बारे में बात करते हुए कहते है कि वो मिड लाइफ सिंड्रोम से गुजर रही है, परंतु सफलता की अदम्य इच्छा व मेहनत से यही महिला सबसे मूल्यवान सौंदर्य ब्रांड

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बनाने में सफल रहती है।

विषय को आगे बढ़ाते हुए एक मुद्दा परिवर्तन के प्रति लोगों की नकारात्मक विचारधारा का भी है। लोगों कंफर्ट जोन को तोड़ना नहीं चाहते व एक ढर्रे पर जीवन जीने को रहते हैं। परंतु इनकी स्थिति भी ठहरे हुए पानी जैसी हो सकती है इसलिए किन कहा गया है- "जहाज बंदरगाह में सबसे ज्यादा सुरक्षित होता है परंतु वह इसके लिए नहीं बनाया गया है।"

इसी प्रकार एक मुद्दा परिवर्तन की दिशा को लेकर भी है। कई बार परिवर्तन सही दिशा में अग्रसर होता है। कभी कभी नहीं भी होता है, ऐसी स्थिति में नकारात्मक धारणा का विकास होता है। ऐसी स्थिति में सर्वप्रथम तो स्वयं में धैर्य व लक्ष्य पर दृढ़ता जैसे गुणों का विकास जरूरी है। परिवर्तन के दौरान हमें कई तरह

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के कड़वे व मीठे अनुभवों से गुजरना होता है। हमारे यही अनुभव ही हमें सुधार के लिए प्रेरित करते हैं। क्योंकि कहा भी गया है - समुचित निर्णय समग्र सोच से लिए जाते हैं और समग्र सोच अनुचित निर्णयों से विकसित होती है। इसलिए हमें जीवन के कष्टों से नहीं घबराना चाहिए व निरंतर सुधार की प्रवृत्ति से आगे बढ़ना चाहिए जिससे बड़े लक्ष्यों को हासिल कर सकें।

परिवर्तन के बारे में एक आलाप प्रकृति के बारे में भी आता जब कहा जाता है कि पर्यावरण में परिवर्तन से हमने ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं को बुलावा दे दिया है। यह मानना उचित है कि इस तरह के घातक परिवर्तनों से बचना चाहिए। परंतु यहां एक दूसरा पक्ष भी है कि मानव जाति को विकास के पथ पर

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अग्रसर करने के लिए ऐसे परिवर्तन जरूरी होते हैं। परंतु इन परिवर्तनों को सीमित व समझे तरीके से लाना चाहिए ताकि भविष्य में खतरा पैदा न हो। इसका उदाहरण अब राष्ट्रों द्वारा कार्बन कैप्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, प्लास्टिक मिशन जैसे उपायों को अपनाना है। इनके साथ ही मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जैसे प्रयास जो पर्यावरण को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयासरत हैं।

विषय में आगे बढ़ते हुए चर्चा का विषय यह है कि अब हम किन क्षेत्रों में आगे परिवर्तनों की ओर अग्रसर होना चाहिए। परिवर्तन हमें सबसे पहले तौर पर मानव द्वारा स्वयं में लाना जाना चाहिए ताकि अपने सामाजिक प्रभाव द्वारा बाकी क्षेत्र में भी इसे लागू कर सके। गांधीजी ने भी कहा है- जो परिवर्तन आप दुनिया में देखना चाहते हैं

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सबसे पहले स्वयं में लागू करें। आर्थिक क्षेत्र में ही देखें तो 142 करोड़ की जनसंख्या मात्र 2 से 3% टैक्सपेयर है जब की करोड़ों लोग हर वर्ष गाड़िया खरीदते हैं, वहीं लाखों लोग विदेश यात्रा करते हैं। इस सामाजिक सहयोग की भावना से बचने की प्रवृत्ति देश की आर्थिक व्यवस्था के लिए हानिकारक है।

ठीक इसी प्रकार प्रधानमंत्री के दैनिक जीवन में ऊर्जा व पर्यावरण बचाव के लिए किए जाने वाले कार्यों का विजन 'मिशन द लाईफ' का पालन जरूरी हैं। वहीं समाज के स्तर पर भी एक अहम भूमिका निभाने की आवश्यकता है। डा० M.S. स्वामीनाथन, डा० वर्गीज कुरीयन जैसे लोगों द्वारा अपनाए गए परिवर्तनों का ही परिणाम हैं कि आज हम खाद्य सुरक्षा के साथ सरप्लस निर्यातक भी वहीं दुग्ध

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह अगर हम इन परिवर्तनों में खाद्य प्रसंस्करण जैसे सुधारों को जोड़ देते हैं तो उत्कृष्टता को भी प्राप्त कर सकते हैं।

परिवर्तन लाने की जरूरत हमारी नीतियों के क्रियान्वयन पक्ष में भी है। आज हम संसाधनों के उपयोग के बावजूद पहले के ही परिणामों पर खड़े हैं। २०१२ के लंदन ओलंपिक में हमें ६ मैडल प्राप्त हुए वहीं २०२४ के पेरिस ओलंपिक में भी ६ ही मैडल प्राप्त हुए। इतनी स्कीमों व प्रयासों के बावजूद लक्ष्य प्राप्ति न होना, एक ऐसा विषय है जिस पर विचारने की आवश्यकता है।

परिवर्तन हमें अपनी अभिवृत्ति में लाने की भी आवश्यकता है ताकि पूर्वाग्रहों एवं धारणाओं से मुक्त रहकर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

महिला वर्ग को आगे बढ़ने का मौका दे सके। जनसंख्या के 50% हिस्से का लेबर पार्टिसिपेशन मात्र 37% है। आज हम जब केयर इकोनॉमी की बात करते हैं तो और आगे प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता है। कुछ परिवर्तन जैसे चंद्रयान 3 की डायरेक्टर रितु करिधाल, आदित्य L-1 की डायरेक्टर निगार शाजी का होना हमारे प्रयासों की उत्कृष्टता को दिखाता है।

यहां पर विचार का विषय यह भी है कि इन परिवर्तनों को अंजाम तक पहुंचाने में लाखों कठिनाई सामने आती हैं। ये रास्ते के कंटक अवरोध का व विश्वास को तोड़ने का कार्य करते हैं। परंतु किसी भी प्रकार की कठिनाई से पीछे हट जाना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बहादुरों की कमी नहीं है क्योंकि कहा भी कहा गया है—

वह पथ क्या पथिक कुशलता क्या
जिस पथ पर बिखरे शूल ना हो
नाविक की धैर्य परीक्षा क्या
जब धाराएं ही प्रतिकूल ना हों।

अतः इंसानी जीवन में निरंतर आगे बढ़ना, परिवर्तनों के प्रति अनुकूलन की शैली का विकास ही जीवन को उत्कृष्टता के शिखर की ओर ले जा सकता है। लोगों को अपने हर एक कदम से राष्ट्र निर्माण के आदर्श के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमें एक इंसान के रूप में आगे प्रगति करनी है, एक राष्ट्र के रूप में नई ऊँचाईयों को छीना है, जो

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी के कल्याण व संपूर्ण ब्रह्मांड के लिए कदम बढ़ाने हों तो हमारा आदर्श परिवर्तन को अपनाने की इच्छा व सुधारों के द्वारा उत्कृष्टता को पाने का मंत्र ही सहायक होगा। इसी के साथ हम हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ सकते हैं।

इस पथ का उद्देश्य नहीं
श्रांत भवन में टिके रहना
किंतु जाना उस सीमा तक
जिसके आगे राह नहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुधार के लिए परिवर्तन अपरिहार्य है जबकि उत्कृष्टता के लिए सुधार की निरंतरता

परिवर्तन जरूरी — नदी बहे — ठहरा हुआ पानी — नए बदलाव नए परिणाम — समय के साथ चलना

आम जीवन — देश, समाज — किसान

सुधार की निरंतरता — attitude है — सीखने की इच्छा — सफलता

परिवर्तन जरूरी — शासक/व्यक्तिगत

नागरिक, नौकरशाही

परिवर्तन अपरिहार्य but सुधार पर्यावरण for विकास but ... द्वारा ... जरूरी

उत्कृष्टता — परिष्करण जरूरी for परमाणु शक्ति

परिवर्तन के दौरान डर — परिवर्तन प्रकृति का नियम — समान — महात्मा

परिवर्तन should ... बल्कि

But never ... जीवन मृत्यु

वही है परिवर्तन नहीं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोगों को उनके मानवाधिकारों से वंचित करना मानवता को चुनौती देना है

मानवाधिकार क्या है?

मानवता को चुनौती

Survival of fittest

संविधान

UNHRC

drishti

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation